Golden Research Thoughts
Vol -1 , ISSUE –1, July - 2011
ISSN:- 2231-5063

ORIGINAL ARTICLE

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के ऋणार्जन का विश्लेषण

श्रीमती जयश्री यादव

व्याख्याता पंचायत, शास.उ.मा.विद्यालय, गनियारी जिला बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तावना –

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर, सहकारी बैंकिग के क्षेत्र में एक शीर्षस्थ संस्था है, जिसे अपेक्स बैक के नाम से भी जाना जाता है। यह सहकारी बैंकिग संस्था, छत्तीसगढ़ राज्य में सहकारी साख की पूर्ति के लिये ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर स्थापित सहकारी बैंकिंग के क्षेत्र में संतुलन के रूप में कार्य करती है। राज्य में कृषि एवं ग्रामीण विकास करना इस बैंक का अहम् उत्तरदायित्व है। इस हेतु बैंक को वित्त की आवष्यकता पड़ती है। यह बैंक मुख्य रूप से नाबार्ड एवं शासन व आर.डी.बी.आई से ऋणार्जन कर वित्त की पूर्ति कर कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न आवष्यकताओं की पूर्ति करता है।

उद्देश्य –

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य यह जानना है कि छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक को वित्त पूर्ति ऋणार्जन के रूप में किन स्त्रोतों से किन उद्देष्यों हेतु कितनी मात्रा में होती है तथा ऋणार्जन के किन स्त्रोतों में कमी या वृद्धि हुई है। जिससे कि इस बैंक की कार्यकुषलता का मापन हो सके।

अध्ययन क्षेत्र –

छत्तीसगढ़ राज्य, मेरे अध्ययन का केन्द्र बिन्दु है। इस राज्य की सीमाएं ही छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आती हैं। जिसके अन्तर्गत इस क्षेत्र के कृषि एवं ग्रामीण विकास के वित्त पूर्ति हेतु बैंक द्वारा किये गये ऋणार्जन का अध्ययन है। जिसमें बैंक के कृषि व अकृषि ऋणार्जन में अल्पावधि, मध्यकालीन परिवर्तित ऋणार्जन व अन्य ऋणार्जन सम्मिलित हैं।

शोध प्रविधि –

इस अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक समंक संकलित किये गये हैं। इसमें समंकों का वर्गीकरण, सारणीयन कर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के ऋर्णाजन का विष्लेषण किया गया है। यह विश्लेषण बैंक के सांख्किीय प्रतिवेदनों व आर. डी. स्टेटमेंट पर आधारित है।

ऋर्णाजन का विश्लेशण –

छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि एवं ग्रामीण विकास में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में सहकारी साख संरचना का आधार अल्पकालीन एवं मध्यकालीन साख है, साथ ही दीर्घकालीन योजनाओं हेतु ऋण प्रदान करना इस अपेक्स बैंक की अहम् जिम्मेदारी है। अतः इस अपेक्स बैंक को अपने उददेश्यों को प्राप्त करने एवं राज्य में कृषि एवं ग्रामीण विकास की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु वित्त की आवश्यकता पड़ती है। यह बैंक अपने विभिन्न वित्तीय स्त्रोतों से पूजी का प्रबंध करता है। बैंक के इन स्त्रोतो में स्वंय के स्त्रोत, अंशपूंजी एवं संचिति व निधियां तो है ही, साथ ही अपनी वित्तीय स्थिति की सुदृढ़ता एवं पर्याप्त मात्रा में वित्त की पूर्ति हेतु उसे नाबार्ड, राज्य शासन व अन्य संस्थाओ से ऋण अर्जन करना पड़ता है। बैंक ऋणार्जन से प्राप्त राशि का उपयोग अपने अधीन सहकारी संस्थाओं की अल्पकालीन साख, मध्यकालीन साख एवं आवश्यकता पड़ने पर दीर्घकालीन साख की पूर्ति में करता है। बैंक की इस प्रकार की साख में कृषि ऋण एवं अकृषि ऋण होते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर के ऋणार्जन को निम्न सारणी क्रमांक 1 में स्पष्ट किया गया है:–

सारणी क्रमांक 1

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर का ऋणार्जन विश्लेषण[1]

(लाख रूपयें में)

वर्ष	नाबार्ड् से ऋणार्जन		शासन से ऋणार्जन		कुल ऋणार्जन	
	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
2000–01	7344.39	99.99	0.84 आर.डी.बी.आई	0.01	7345.23	100
2001–02	1171.43	36.73	2014.55 आर.डी.बी.आई 0.14	63.23	3186.12	100
2002–03	1528.58	58.56	1081.71	41.44	2610.29	100
2003–04	481.80	47.11	540.86	52.89	1022.66	100
2004–05	1276.92	56.08	1000.00	43.92	2276.92	100
2005–06	1007.65	52.36	916.67	47.64	1924.32	100
2006–07	1361.83	70.46	570.86	29.54	1932.69	100

उक्त सारिणी क्र. 1 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक द्वारा सहकारी साख कार्यक्रमों को गति देने के लिये वर्ष 2000–01 में नाबार्ड से 7344.39 लाख रूपये ऋण अर्जन किया है जो कि कुल ऋणार्जन का 99.99% है। उसी तरह वर्ष 2001–02 में 1171.43 लाख रूपये (36.73%) वर्ष 2002–03 में 1528.58 लाख रूपये (58.56%) वर्ष 2003–04 में 481.80 लाख रूपये (47.11%) वर्ष 2004–05 में 1276.92 लाख रूपये (56.08%), वर्ष 2005–06 में 1007.65 लाख रूपये (52. 36%) एवं वर्ष 2006–07 में 1361.83 लाख रूपये (70.46%) कुल ऋणार्जन का नाबार्ड से ऋण अर्जन किया गया है।

इसी प्रकार इस अपेक्स बैंक ने राज्य शासन से वर्ष 2001–02 से 2006–07 तक कुल ऋणार्जन का क्रमशः 2014.55 लाख रूपये (63.23%), 1081.71 लाख रूपये (41.44%), 540.86 लाख रूपये (52.89%) 1000 लाख रूपये (43.92%), 916. 67 लाख रूपये (47.64%), एवं 570.86 लाख रूपये (29.54%) ऋण अर्जन किया हैं।

अन्य स्त्रोतों से ऋण अर्जन करना भी अपेक्स बैंक की वित्तीय अनिवार्यता होती है, क्योंकि नाबार्ड एवं राज्य शासन से सभी उददे्श्यों के लिये ऋण उपलब्ध नहीं हो सकता। इसलिये शीर्ष बैंक ने अन्य स्त्रोतो से वर्ष 2000–01 में 0.84 लाख रूपये (0.01%) एवं वर्ष 2001–02 में 0.14 लाख रूपये ऋण प्राप्त किया है। जिन स्त्रोतों से यह बैंक ऋण अर्जन करता है उनमें आई.डी.बी.आई. एवं आई.सी.आई.सी.आई बैंक प्रमुख हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर में नाबार्ड, राज्य शासन एवं अन्य स्त्रोतों से ऋण अर्जन किया है। इस ऋणार्जन का उददे्श्यवार विभाजन कृषि ऋणार्जन एवं अकृषि ऋणार्जन (अवधि अनुसार) के रूप में विस्तारपूर्वक निम्न सारणी क्र. 2 में किया गया है:–

सारणी क्र. 2

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के ऋणार्जन का उद्देश्यवार विभाजित विश्लेषण[1] (लाख रूपये में)

ऋर्णाजन के स्त्रोत	उद्देश्य	2000–01	2001–02	2002–03	2003–04	2004–05	2005–06	2006–07
नाबार्ड के ऋणार्जन								
अल्पावधि कृषि ऋणार्जन	कृषि ऋर्णाजन	4270.00	--	--	--	--	--	395.10
अल्पावधि डी.टी.पी. ऋणार्जन	कृषि ऋर्णाजन	958.82	248.00	--	--	--	--	--
मध्यकालीन परिवर्तित ऋर्णाजन	कृषि ऋणार्जन	1321.53	--	--	--	--	--	--
	योग –क	6550.35	243.00	--	--	--	--	395.10
मध्यावधि लघु सिंचाई योजना	अकृषि ऋर्णाजन	72.50	64.17	64.17	--	--	--	--
साख परियोजना आईआरडीपी	अकृषि ऋर्णाजन	568.27	460.60	209.22	--	46.80	46.8	--
बायो गैस	अकृषि ऋणार्जन	2.63	1.37	1.37	--	--	--	45.89
प्रक्षेत्र मशीनीकरण	अकृषि ऋर्णाजन	109.09	81.47	87.62	--	--	--	--
मछलीपालन	अकृषि ऋर्णाजन	0.12	--	--	--	--	--	--
एन.एफ.एस. योजना	अकृषि ऋणार्जन	9.08	31.04	58.10	4.11	4.11	4.11	4.11
एफ.एस.केन्द्रीय बैंक	अकृषि ऋर्णाजन	16.56	232.41	972.57	201.85	1017.11	740.07	653.15
स्वर्ण जयंती रोजगार योजना	अकृषि ऋर्णाजन	--	25.86	65.42	30.43	29.13	29.13	15.20
स्वयं सहायता समूह	अकृषि ऋणार्जन	15.79	31.50	70.09	--	6.01	13.79	10.07
एफ.एच. अपैक्स बैंक	अकृषि ऋणार्जन	--	--	--	245.41	173.76	173.75	132.46
	योग–ख	794.04	928.43	1528.58	481.80	1276.92	1007.65	966.73
	योग1–(क+ख)	7344.39	1171.43	1528.58	481.80	1276.92	1007.65	1361.83
शासन से ऋणार्जन								
मध्यावधि परिवत्रित ऋणार्जन	कृषि ऋर्णाजन	--	2014.55	1081.71	540.86	1000.00	916.67	570.86
	योग 2	..	2014.55	1081.71	540.86	1000.00	916.67	570.86
आई.डी.बी.आई से ऋणार्जन	अकृषि ऋर्णाजन	0.84	0.14	--	--	--	--	--
	योग 3	0.84	0.14	--	--	--	--	--
	कुल योग(1+2+3)	7345.23	3186.12	2610.29	1022.66	2276.92	1924.32	1932.69

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 2 के अध्ययन से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ राज्य सहकारी बैंक द्वारा अपने सहकारी साख योजनायें एवं कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए मुख्यतः नाबार्ड एवं राज्य शासन पर निर्भर रहना पड़ता हैं वर्ष 2000–01, 2001–02 एवं 2006–07 में नाबार्ड से क्रमशः 6550.35 लाख रू., 243.00 लाख रू. एवं 395.10 लाख रू. कृषि ऋणार्जन है तथा राज्य शासन से वर्ष 2001–02 में वर्ष 2006–07 तक क्रमशः 2014.55 लाख रू, 1081.71 लाख रू., 540.86 लाख रू., 1000.00 लाख रू., 916.67 लाख रू. एवं 570.86 लाख रू. कृषि ऋणार्जन है। अतः स्पष्ट है कि नाबार्ड एवं राज्य शासन से प्राप्त कृषि ऋणार्जन में गतवर्षो की तुलना में वर्ष 2006–07 में कमी हुई है।

इस अपेक्स बैंक को नाबार्ड से वर्ष 2000–01 से वर्ष 2006–07 तक क्रमशः 794.04 लाख रू., 928.43 लाख रू., 1528.58 लाख रू., 481.80 लाख रू., 1276.92 लाख रू., 1007.65 लाख रू. एवं 966.73 लाख रू. अकृषि ऋणार्जन हुआ है, एवं अन्य स्त्रोतों से वर्ष 2000–01 एवं 2001–02 में क्रमशः 0.84 एवं 0.14 लाख रूपए ऋणार्जन है। अतः स्पष्ट है कि राज्य शासन से अकृषि ऋणार्जन नही है। नाबार्ड से कृषि ऋणार्जन में अल्पावधि कृषि ऋणार्जन, अल्पावधि टी.डी.पी. ऋणार्जन एवं मध्यकालीन परिवर्तित ऋणार्जन हुआ है तथा अकृषि ऋणार्जन में अल्पावधि लघु सिंचाई योजना, साख परियोजना आई.आर. डी.पी., बायो गैस, प्रक्षेत्र मशीनीकरण, मछली पालन, एन.एफ.एस. योजना, एफ.एस. केन्द्रीय बैंक, स्वर्ण जयंती रोजगार योजना, स्वयं सहायता समूह परिवर्तित ऋण प्राप्त किया है तथा आई.डी.बी.आई. से ऋणार्जन किया है।

निष्कर्ष –

उक्त तथ्यों के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि राज्य शासन से प्राप्त कुल ऋणार्जन में कमी हुई है एवं राज्य शासन से प्राप्त कुल ऋणार्जन में पिछले वर्ष 2005–06 की तुलना में 2006–07 में वृद्धि हुई है अर्थात् राज्य शासन से प्राप्त कुल ऋणार्जन में कमी का प्रतिशत अधिक है जबकि नाबार्ड से प्राप्त ऋणों में वृद्धि का प्रतिशत कम है। यह तथ्य छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक की कुशलता को इंगित करता है क्योंकि यह बैंक कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अपने प्रयासों से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संदर्भ सूची –

1. वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2000–01 से 2006–07, छत्तीसगढ राज्य सहकारी बैंक मर्या. रायपुर
2. आर.डी. स्टेटमेट वर्ष 2000–01से 2006–07, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्या.रायपुर
3. गर्ग, डा.डी.पी.– समन्वित ग्रामीण विकास एवं सहकारित, षिक्षा प्रकाषन इंदौर, 1986
4. जैन, हेमचन्द्र– कृषि वित्त सिद्धांत एवं व्यवहार, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 1991

श्रीमती जयश्री यादव
व्याख्याता पंचायत, शास.उ.मा.विद्यालय, गनियारी जिला बिलासपुर (छ.ग.)